

AICTE hosts first webinar on '2025 – The Year of AI' to Shape the Future of Education, Research, Innovation & Industry

AICTE Unveils Visionary Roadmap for AI Integration in 2025

New Delhi, January 29, 2025: The All India Council for Technical Education (AICTE) successfully organized the first webinar under its flagship initiative, *2025 – The Year of AI*, focusing on the transformative role of Artificial Intelligence in education, research, innovation, and industry. The event witnessed an overwhelming response, with participation from more than 1,000 AICTE-approved institutions, marking a significant step towards India's AI-driven future.

The webinar featured distinguished speakers, including Prof. Ajai Chowdhry, Chairman, Mission Governing Board, National Quantum Mission of India; Ms. Shweta Khurana, Senior Director, Asia Pacific and Japan, Government Partnerships and Initiatives, International Government Affairs Group, Intel Corporation; and AICTE Chairman, Prof. T.G. Sitharam. Faculty members, researchers, students, and AI enthusiasts from across the country joined the session, underscoring AICTE's commitment to fostering AI integration in technical education.

Prof. Ajai Chowdhry, the Chief Guest, emphasized the urgent need to shift from a service-oriented economy to a product-driven economy to establish India as a global technology powerhouse. He highlighted that startups will play a pivotal role in this transition, with AI making its biggest impact on the service sector. Stressing the importance of core engineering, he remarked: *“We need to bring back core engineering and R&D to design products for India and the world. Developing, designing, and then manufacturing AI-powered solutions is essential for India's technological self-reliance.”*

He also underscored the necessity of ethical AI development to curb its misuse and expressed confidence in India's potential to build homegrown AI models, stating: *“We have the capability, knowledge, and experience—what we need is high aspiration to create our own ChatGPTs, Large Language Models (LLMs), and other AI-driven innovations.”*

Ms. Shweta Khurana emphasized the importance of embedding AI into all courses across disciplines. She highlighted key AI initiatives, including the India AI Data Lab, developed through a collaboration between Intel, NIELIT, and the Ministry of Electronics and Information Technology. She stressed the necessity of creating a robust AI ecosystem that nurtures research, skill development, and innovation.

AICTE Chairman Prof. T.G. Sitharam unveiled AICTE's ambitious AI roadmap for 2025, reinforcing India's commitment to AI-led transformation in education and industry. He announced that over 1,000 institutions have taken the AI Affirmation Pledge, reaffirming their dedication to integrating AI into their curricula and research initiatives.

He highlighted AICTE's existing AI education ecosystem, wherein 3,670 AICTE Approved institutions are offering Diploma, UG, PG & PG certificate programs in AI, Data Science, and Cyber Security courses.

Prof. Sitharam outlined AICTE's key initiatives for the Year of AI – 2025, announcing that AICTE will establish a State-of-the-Art AI Factory & Experience Centre at its headquarters to promote innovation and hands-on AI learning. This facility will include an advanced AI Lab for cutting-edge research and experimentation, a fully equipped XR Lab for immersive experiences in Virtual Reality (VR), Augmented Reality (AR), and Mixed Reality (MR).

He further announced that AICTE will organize a series of thematic AI Hackathons to solve India's pressing challenges using AI, engaging students, startups, researchers, and faculty members. To culminate the *Year of AI*, AICTE also plans to host the AI MAHAKUMBH, a landmark AI Expo & Conference. This mega-event will bring together students, startups, industry leaders, policymakers, and researchers to celebrate India's AI journey.

एआईसीटीई ने शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और उद्योग के भविष्य को आकार देने के लिए '2025 - एआई का वर्ष' पर पहला वेबिनार आयोजित किया

एआईसीटीई ने 2025 में एआई एकीकरण के लिए दूरदर्शी रोडमैप का अनावरण किया

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 2025: अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने अपनी प्रमुख पहल, 2025 - एआई का वर्ष के तहत पहला वेबिनार सफलतापूर्वक आयोजित किया, जिसमें शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और उद्योग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की परिवर्तनकारी भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस कार्यक्रम को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिसमें 1,000 से अधिक एआईसीटीई-अनुमोदित संस्थानों की भागीदारी थी, जो भारत के एआई-संचालित भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

वेबिनार में प्रो. अजय चौधरी, अध्यक्ष, मिशन गवर्निंग बोर्ड, नेशनल क्वांटम मिशन ऑफ इंडिया; सुश्री श्वेता खुराना, वरिष्ठ निदेशक, एशिया प्रशांत और जापान, सरकारी भागीदारी और पहल, अंतर्राष्ट्रीय सरकारी मामले समूह, इंटेल कॉर्पोरेशन; और एआईसीटीई के अध्यक्ष, प्रो. टीजी सीताराम सहित प्रतिष्ठित वक्ताओं ने भाग लिया। देश भर से संकाय सदस्य, शोधकर्ता, छात्र और एआई उत्साही इस सत्र में शामिल हुए, जिन्होंने तकनीकी शिक्षा में एआई एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए एआईसीटीई की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। मुख्य अतिथि प्रोफेसर अजय चौधरी ने भारत को वैश्विक प्रौद्योगिकी महाशक्ति के रूप में स्थापित करने के लिए सेवा-उन्मुख अर्थव्यवस्था से उत्पाद-संचालित अर्थव्यवस्था में स्थानांतरित करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि स्टार्टअप इस बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, जिसमें एआई सेवा क्षेत्र पर अपना सबसे बड़ा प्रभाव डालेगा। कोर इंजीनियरिंग के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने टिप्पणी की: "हमें भारत और दुनिया के लिए उत्पादों को डिजाइन करने के लिए कोर इंजीनियरिंग और आरएंडडी को वापस लाने की जरूरत है। भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता के लिए एआई-संचालित समाधानों का विकास, डिजाइन और फिर निर्माण करना आवश्यक है।" उन्होंने इसके दुरुपयोग को रोकने के लिए नैतिक एआई विकास की आवश्यकता को भी रेखांकित किया और स्वदेशी एआई मॉडल बनाने की भारत की क्षमता पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा: "हमारे पास क्षमता, ज्ञान और अनुभव है - हमें अपने स्वयं के चैटजीपीटी, बड़े भाषा मॉडल (एलएलएम) और अन्य एआई-संचालित नवाचार बनाने की उच्च आकांक्षा की आवश्यकता है।" सुश्री श्वेता खुराना ने सभी विषयों में सभी पाठ्यक्रमों में एआई को शामिल करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इंटेल, NIELIT और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के बीच सहयोग से विकसित भारत एआई डेटा लैब सहित प्रमुख एआई पहलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने एक मजबूत एआई पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की आवश्यकता पर बल दिया जो अनुसंधान, कौशल

विकास और नवाचार को बढ़ावा देता है। AICTE के अध्यक्ष प्रो. टी.जी. सीताराम ने 2025 के लिए AICTE के महत्वाकांक्षी AI रोडमैप का अनावरण किया, जिसमें शिक्षा और उद्योग में AI के नेतृत्व वाले परिवर्तन के लिए भारत की प्रतिबद्धता को मजबूत किया गया। उन्होंने घोषणा की कि 1,000 से अधिक संस्थानों ने AI प्रतिज्ञान प्रतिज्ञा ली है, जो उनके पाठ्यक्रम और अनुसंधान पहलों में AI को एकीकृत करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। उन्होंने AICTE के मौजूदा AI शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रकाश डाला, जिसमें 3,670 AICTE अनुमोदित संस्थान AI, डेटा साइंस और साइबर सुरक्षा पाठ्यक्रमों में डिप्लोमा, यूजी, पीजी और पीजी प्रमाणपत्र कार्यक्रम प्रदान कर रहे हैं। प्रो. सीताराम ने एआई वर्ष- 2025 के लिए एआईसीटीई की प्रमुख पहलों को रेखांकित किया और घोषणा की कि एआईसीटीई नवाचार और व्यावहारिक एआई सीखने को बढ़ावा देने के लिए अपने मुख्यालय में एक अत्याधुनिक एआई फैक्ट्री और अनुभव केंद्र स्थापित करेगा। इस सुविधा में अत्याधुनिक अनुसंधान और प्रयोग के लिए एक उन्नत एआई लैब, वर्चुअल रियलिटी (वीआर), ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) और मिक्स्ड रियलिटी (एमआर) में इमर्सिव अनुभवों के लिए पूरी तरह सुसज्जित एक्सआर लैब शामिल होगी। उन्होंने आगे घोषणा की कि एआईसीटीई छात्रों, स्टार्टअप्स, शोधकर्ताओं और संकाय सदस्यों को शामिल करते हुए एआई का उपयोग करके भारत की दबाव वाली चुनौतियों को हल करने के लिए विषयगत एआई हैकथॉन की एक श्रृंखला आयोजित करेगा। एआई वर्ष के समापन पर, एआईसीटीई एआई महाकुंभ, एक ऐतिहासिक एआई एक्सपो और सम्मेलन की मेजबानी करने की भी योजना बना रहा है